महाराणा प्रताप महाविद्यालय ग्रन्थालय जंगल धूसड़, गोरखपुर 15/2/22

HND 103
B.A. 1st SEMESTER EXAMINATION, 2021-22
HINDI
Hindi Kavya (Dvitiya)
Credit (3+0)
(CBCS Mode)

Important Instruction :	महत्वपूर्ण निर्देश :
The question paper is in two sections : Section-A (Descriptive) will be of 15 marks and Section-B (Objective) will be of 60 marks. **Section-A will be deposited at the end of the examination and answer sheet (OMR) of Section-B will be deposited.**	प्रश्न पत्र दो भागो में है : खण्ड–अ (व्याख्यात्मक) 15 अंकों का होगा एवं खण्ड–ब (बहुविकल्पीय) 60 अंक का होगा। **खण्ड–अ परीक्षा के अन्त में जमा कर लिया जायेगा एवं खण्ड–ब का उत्तर पत्रिका (OMR) जमा होगा।**

0451

खण्ड–अ (व्याख्यात्मक)
Section-A (Descriptive)

Time : 1 Hrs. | **Max. Marks : 15**
समय : 1 घण्टे | अधिकतम अंक : 15

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures) ______________

अनुक्रमांक (शब्दों में) : ______________

Roll No. (In Words) : ______________

अभ्यर्थी का नाम : ______________

Student Name : ______________

कक्ष परिप्रेक्षक के हस्ताक्षर / Invigilator's Signature : ______________

Note : (i) Total No. of Questions are Six.
(ii) Answer three questions in all.
(iii) All Questions carry equal marks.

नोट : (i) कुल छः प्रश्न दिए गये हैं।
(ii) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(iii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास में 'आधुनिक युग' के नामकरण, काल–निर्धारण एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए।

2. भारतेन्दु की कविताओं का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

3. हरिऔध की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. छायावाद की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए पठित अंश के आधार पर जयशंकर प्रसाद के काव्य–सौन्दर्य का उद्घाटन कीजिए।

5. 'तोड़ती पत्थर' कविता के आधार पर सुर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की प्रगतिशीलता पर प्रकाश डालिए।

6. सुमित्रानंदन पन्त के प्रकृति–वर्णन की विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

खण्ड–ब (बहुविकल्पीय)
Section-B (Objective)
HND 103
B.A. 1st SEMESTER EXAMINATION, 2021-22
HINDI
Hindi Kavya (Dvitiya)
Credit (3+0)
(CBCS Mode)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : ____________________

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

0451

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures)

अनुक्रमांक (शब्दों में) : ____________________

Roll No. (In Words) : ____________________

Time : 1½ Hrs. **Max. Marks : 60**
समय : 1½ घण्टे **अधिकतम अंक : 60**

नोट : पुस्तिका में 40 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.
2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।
2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

1. आधुनिक काल को किस और नाम से जाना जाता है:

(A) गद्यकाल

(B) पद्यकाल

(C) वर्तमान काल

(D) इनमें से कोई नहीं

2. आधुनिक काल के प्रथम–चरण का नाम है:

(A) भारतेन्दु–युग

(B) द्विवदी–युग

(C) छायावाद–युग

(D) प्रगतिवाद–युग

3. छायावाद काल का समय है:

(A) 1943–1953

(B) 1918–1936

(C) 1950–1960

(D) 1960–1970

4. द्विवेदी–युग की समय–सीमा है:

(A) 1850–1900

(B) 1943–1950

(C) 1900–1918

(D) इनमें से कोई नहीं

5. निम्नलिखित में छायावादी कवि नहीं हैं–

(A) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(B) जयशंकर प्रसाद

(C) महादेवी वर्मा

(D) सुमित्रानन्दन पन्त

6. 'छायावाद' की 'लघुत्रयी' के कवि नहीं हैं:

(A) निराला

(B) भगवती चरण वर्मा

(C) रामकुमार वर्मा

(D) महादेवी वर्मा

7. 'दिवस का अवसान समीप था/गगन था कुछ लोहित हो चला' काव्य–पंक्ति के रचनाकार हैं:

(A) सुमित्रानन्दन पन्त

(B) महादेवी वर्मा

(C) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(D) निराला

8. 'कामायनी' के रचनाकार हैं:

(A) महादेवी वर्मा

(B) रामकुमार वर्मा

(C) जयशंकर प्रसाद

(D) निराला

9. आपके पाठ्यक्रम में 'आशा' सर्ग प्रसाद की किस रचना का अंश है?

(A) आँसू

(B) झरना

(C) लहर

(D) कामायनी

10. 'नील परिधान बीच सुकुमार/खुल रहा–मृदुल अधखुला अंग' काव्य–पंक्ति के रचनाकार हैं:

(A) हरिऔध

(B) हरिवंश राय बच्चन

(C) जयशंकर प्रसाद

(D) सुमित्रानन्दन पन्त

11. निम्नलिखित में से कौन सी रचना जयशंकर प्रसाद की नहीं है?

(A) आँसू

(B) कामायनी

(C) लहर

(D) कुरूक्षेत्र

12. 'वर दे, वीणा वादिनी वर दे!' रचना के रचनाकर हैं:

(A) प्रसाद

(B) पन्त

(C) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(D) महादेवी वर्मा

13. 'अलसता की–सी लता/ किन्तु कोमलता की वह कली/सखी नीरवता के कन्धे पर डाले बाँह/छाँह सी अम्बर पथ से चली' काव्य–पंक्तियाँ निम्नलिखित में से किस शीर्षक से ली गयी हैं?

(A) तोड़ती–पत्थर

(B) राजे ने अपनी रखवाली की

(C) संध्या–सुन्दरी

(D) वर दे वीणा वादिनी वर दे

14. हिन्दी–साहित्य में 'मुक्तछन्द' का प्रणेता किस कवि को कहा जाता है?

(A) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(B) रामधारी सिंह दिनकर

(C) महादेवी वर्मा

(D) जयशंकर प्रसाद

15. सुमित्रानन्दन पन्त को किस कृति पर साहित्य का ज्ञान पीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था?

(A) लोकायतन

(B) पल्लव

(C) चिदम्बरा

(D) गुंजन

16. छायावादी कवियों में 'प्रकृति का सुकुमार कवि' किसे कहा जाता है?

(A) निराला

(B) सुमित्रानन्दन पन्त

(C) जयशंकर प्रसाद

(D) महादेवी वर्मा

17. 'छायावाद' के घोषणा–पत्र का सम्बन्ध है:

(A) अनामिका से

(B) कामायनी से

(C) पल्लव से

(D) इनमें से कोई नहीं

18. 'मोह' कविता के रचनाकार हैं:

(A) महादेवी वर्मा

(B) निराला

(C) सुमित्रानन्दन पन्त

(D) जयशंकर प्रसाद

19. आधुनिक हिन्दी–कविता की 'मीरा' कहा जाता है:

(A) सुभद्राकुमारी चौहान को

(B) महादेवी वर्मा को

(C) शकुन्तला माथुर को

(D) मीराबाई को

20. हिन्दी में प्रयोगवाद का प्रवर्तक माना जाता है:

(A) अज्ञेय को

(B) निराला को

(C) पन्त को

(D) प्रसाद को

21. हिन्दी–साहित्य के कवि 'अज्ञेय' का पूरा नाम है:

(A) हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(B) सच्चिदानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(C) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(D) इनमे से कोई नहीं

22. 'नदी के द्वीप' कविता के रचनाकार हैं:

(A) मुक्तिबोध

(B) धूमिल

(C) अज्ञेय

(D) भवानी प्रसाद मिश्र

23. 'प्रेम–माधुरी' काव्य–संग्रह के रचनाकार हैं:

(A) प्रसाद

(B) पन्त

(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(D) हरिऔध

24. आधुनिक हिन्दी–कविता में वर्णिक छन्द के प्रयोक्ता के रूप में प्रसिद्ध है–

(A) अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध

(B) मैथिलीशरण गुप्त

(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(D) इनमें से कोई नहीं

25. आधुनिक काल में खड़ीबोली में काव्य–रचना करने के लिए प्रेरित करने वाले आचार्य थे:

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(B) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(C) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

(D) आचार्य जानकी वल्लभ शास्त्री

26. 'छायावाद' के किस कवि ने अपनी पुत्री की असामयिक–मृत्यु पर लम्बा शोक–गीत लिखा था?

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) सुमित्रानन्दन पन्त

(C) सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

(D) महादेवी वर्मा

27. 'कामायनी' में सर्ग हैं–

(A) 15

(B) 12

(C) 13

(D) 14

28. महादेवी वर्मा किस युग की कवयित्री के रूप में प्रतिष्ठित हैं–

(A) प्रगतिवाद

(B) छायावाद

(C) नयी कविता

(D) द्विवेदी युग

29. 'मैं नीर भरी दुःख की बदली' किस छायावादी कवि की रचना है–

(A) प्रसाद

(B) पन्त

(C) निराला

(D) महादेवी वर्मा

30. 'जागरण–सुधार काल' नाम है:

(A) भारतेन्दु–युग का

(B) छायावाद–युग का

(C) प्रगतिवाद–युग का

(D) द्विवेदी–युग का

31. 'मुक्तिबोध' को माना जाता है:

(A) स्वच्छन्दतावादी कवि

(B) मार्क्सवादी कवि

(C) छायावादी कवि

(D) प्रयोगवादी कवि

32. अज्ञेय के संपादन में प्रकाशित सात कवियों की रचनाओं के संग्रह का नाम है:

(A) सप्तऋषि मण्डल

(B) तारसप्तक

(C) सप्तर्षि

(D) इनमें से कोई नहीं

33. 'तारसप्तक' में सम्मिलित नहीं हैं–

(A) राम विलास शर्मा

(B) मुक्तिबोध

(C) धर्मवीर भारती

(D) अज्ञेय

34. 'निराला की साहित्य साधना' के लेखक हैं–

(A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(B) नन्ददुलारे वाजपेयी

(C) डॉ० रामविलास शर्मा

(D) डॉ० इन्द्रनाथ मदान

35. पन्त जी सम्पादक थे–

(A) माधुरी के

(B) हंस के

(C) चाँद के

(D) रूपाभ के

36. 'ब्रह्मराक्षस' कविता के रचयिता हैं–

(A) नरेशमेहता

(B) अज्ञेय

(C) मुक्तिबोध

(D) भवानीप्रसाद मिश्र

*****

37. 'रोकहिं जौ तौं अमंगल होय' काव्य–पंक्ति का अर्थ है:

(A) अमंगल हो रहा है, इसलिए रोक रही हूँ

(B) यदि रूकने के लिए कहती हूँ तो अमंगल

(C) अमंगल न हो, इसीलिए रोक रही हूँ

(D) अमंगल से बचने के लिए रूक जाइए

38. 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल' काव्य–पंक्ति के रचनाकार हैं:

(A) जयशंकर प्रसाद

(B) बालकृष्ण भट्ट

(C) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(D) निराला

39. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा संपादित साहित्यिक–पत्रिका का नाम है:

(A) इन्दु

(B) सरस्वती

(C) शारदा

(D) हरिचन्द्र चन्द्रिका

40. भारतेन्दु–युग के रचनाकार नहीं हैं–

(A) बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमधन'

(B) प्रताप नारायण मिश्र

(C) अम्बिका दत्त व्यास

(D) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

*****